वशि्व शेर दविस

स्रोत: पी.आई.बी

बगि कैट रेस्क्यू द्वारा स्थापति और **वर्ष 2013 से 10 अगस्त को** मनाया जाने वाला वशि्व शेर दविस, आवास हानि, मानव-वन्यजीव संघर्ष तथा अवैध शकिार जैसे खतरों के कारण शेरों के संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

- शीर्ष शकिारयिों के रूप में, **शेर शाकाहारी आबादी को नयिंत्रति करते हैं** और **जंगल में 10-14 वर्ष के जीवनकाल तथा लगभग 2 वर्ष के जन्म अंतराल के साथ** पारस्थितिकिी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं।
- भारत में, राष्ट्रीय प्रतीक में शक्ति का प्रतीक **एशयिाई शेर** **की आबादी** सफल संरक्षण प्रयासों के कारण **वर्ष 2015 में 523 से बढ़कर वर्ष 2020 में लगभग 674 हो गई है।**
- 15 अगस्त 2020 को लॉन्च कयि गए **'**प्रोजेक्ट लायन**'** का उद्देश्य आवास सुधार, उन्नत नगिरानी और मानव-वन्यजीव संघर्ष को संबोधति करके एशयिाई शेरों के भवषि्य को सुरक्षति करना है।

//

Drishti IAS

एशियाई शेर
(Panthera leo persica)

आवास:

- वर्तमान में गिर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य (गुजरात) एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है।

संरक्षण स्थिति:

- IUCN रेड लिस्ट: संकटापन्न (Endangered)
- CITES: परिशिष्ट I
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972: अनुसूची I

खतरे:

- मानव-वन्यजीव संघर्ष
- अवैध शिकार
- आनुवंशिक अंत:प्रजनन (जेनेटिक इनब्रीडिंग)
- प्लेग, कैनाइन डिस्टेंपर जैसे रोग

संरक्षण हेतु प्रयास:

- एशियाई शेर संरक्षण परियोजना
- प्रोजेक्ट लायन
- विश्व शेर दिवस (10 अगस्त)

विशेषताएँ:

- एशियाई शेर अफ्रीकी शेर से थोड़े छोटे होते हैं।
- सबसे अनूठी शारीरिक विशेषता जो कि एशियाई शेर में अक्सर देखी जाती है वह है इनके पेट के साथ त्वचा की एक अनुदैर्ध्य परत जो कि अफ्रीकी शेर में शायद ही पाई जाती है।

और पढ़ें: वशि्व शेर दविस 2022, एशियाई शेर संरक्षण परियोजना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-lion-day-3